कालों के काल महाकाल को मनाएंगे लिरिक्स

कालों के काल महाकाल,
को मनाएंगे,
उज्जैन नगरी में,
शीश झुकाएंगे।bd।

भांग धतूरा का,
भोग लगाते है,
बिल्वपत्ती जिनके,
सिर पर चढ़ाते हैं,
दूध दही से,
स्नान कर आएंगे,
कालो के काल महाकाल,
को मनाएंगे।bd।

शीश पर चंदा जिनकी,
जटा में गंगा,
गले में नाग जिनके,
देखो भुजंगा,
दर्शन करने को,
उज्जैन नगरी जाएंगे,
कालो के काल महाकाल,
को मनाएंगे।bd।

भस्म में लगाए भोला,
डमरू बजाए,
डमरू बजाए भोला,
डमरू बजाए,
डमरू की ताल पर,
वो सबको नचाएंगे,
कालो के काल महाकाल,
को मनाएंगे।bd।

कालों के काल महाकाल,
को मनाएंगे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उज्जैन नगरी में,
शीश झुकाएंगे।bd।

गायक / प्रेषक – धर्मेंद्र राजपूत।
संपर्क – 7049440533

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com